● पटना, 18 मई ,2009 ● साप्ताहिक ● अंक- 25 ● साल-2 ● इनटरनेट संस्करण

समाद

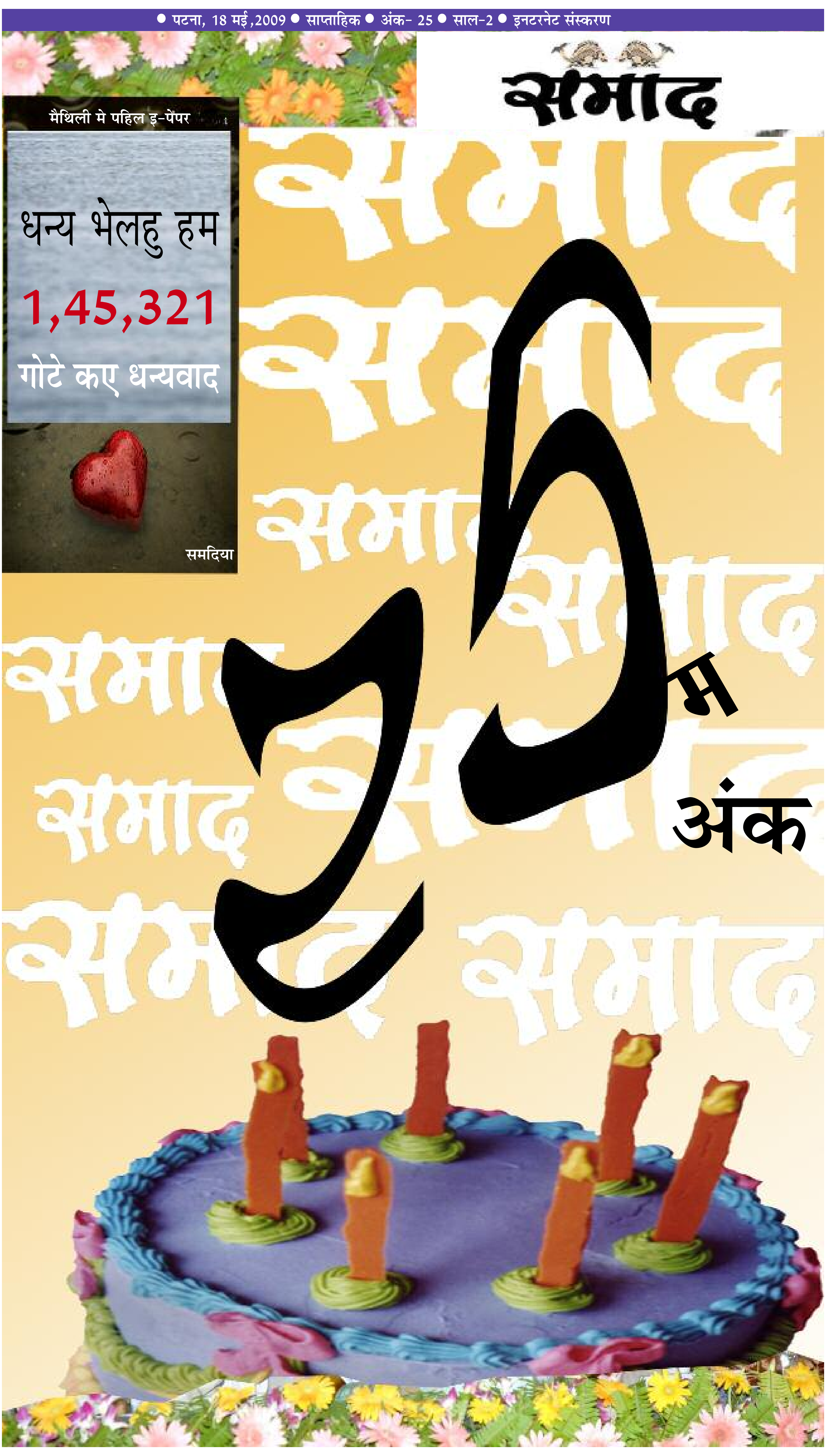

बढ़ल विदेशी पर्यटकक आवाजाही

पटना। बिहार क पर्यटन स्थलक प्रति विदेशी पर्यटक कए आकर्षण लगातार बढ़ि रहल अछि। बीतल समय मे कानून व्यवस्था क खराब स्थिति आ पर्यटक स्थल क उपेक्षा क कारण पर्यटक कए बिहार भ्रमण क रफ्तार कम छल। मुदा पिछला तीन साल मे बाहर स आबै वाला लोक क गति काफी तेज भ रहल अछि। देशी पर्यटक क लगाव सेहो बढ़ल अछि, मुदा दोसर देश स आबै वाला क संख्या बेसी तेजी स बढ़ल अछि। नालंदा, राजगीर, गया व बोधगया विदेशी पर्यटक क आकर्षण क मुख्य केन्द्र रहल अछि। पिछले तीन वर्ष क हिसाब देखला पर पता चलैत अछि जे 2005 में बिहार आबैवाला विदेशी पर्यटक क संख्या 63.3 हजार छल। 2006 मे इ संख्या बढ़िकए 94.4 हजार भेल, जखन कि 07 मे 177.4 हजार विदेशी बिहार भ्रमण केलथि। 2008 मे इ आंकड़ा मे आओर तेजी स इजाफा भेल। एहि साल दोसर देशों स 391.3 हजार लोग बिहार एलाह। 2009क दस माह मे इ आंकड़ा 300 हजार कए पार करि चुकल अछि, जखन कि आधा साल बाकी अछि।

पर्यटन व्यवसाय स जुड़ल एनके शर्मा कहैत छथि जे पिछला साल पर्यटकक संख्या में वृद्धि रफ्तार धेलक। 2008क जुलाई से सितम्बर, एहि तीन माह मे बिहार आबैवाला क संख्या 1 लाख 26 हजार छल। जुलाई से सितम्बर क बीच क गप करि त 2007 मे एहि अवधि मे गया मे 791.13 हजार विदेशी पर्यटक आएला, जखकि 08 मे 1959.5 विदेशी आएला। एहि अवधि मे बोधगया आबैवाला क संख्या 3.1 हजार आ 7.3 हजार रहल। राजगीर मे इ 4.4 हजार स बढ़िकए 83 हजार भेल।

राज्य सरकार सेहो मानैत अछि जे राज्य मे पर्यटन कए प्रमुख उद्योग क रूप मे विकसित हेबाक संभावना क बावजूद अतीत मे पर्यटन उपेक्षित रहल। बेहतर संपर्क सुविधा आ संबंधित विभाग क बीच समन्वय क अभाव मे सेहो पर्यटन लगातार उपेक्षित रहल अछि। सरकार क दावा त एहन अछि जे दोसर कोनो राज्य एहि मामला मे एतबा संपन्न नहि अछि, जाहि ठाम देशी-विदेशी पर्यटक कए आकर्षित करबाक लिहाज स इतिहास, सभ्यता, धर्म और संस्कृति क एतबा विधितापूर्ण खजाना छैक।

प्रदेश क पर्यटन स्थल क भ्रमण पर आबैवाला देशी-विदेशी यात्री क गप करि त 2005 मे जतय 69.44 लाख पर्यटक आएला, त 2006 मे 107.65 लाख भ गेल। 2007 मे इ 105.30 लाख रहल। 2008 मे 129.25 लाख रहल। 2009 क अप्रैल माह धरि इ संख्या 78.07 लाख अछि। पर्यटन विभाग क कहब अछि जे गया, बोधगया, राजगीर, वैशाली, पावापुरी, पटना साहेब सन अनेक धार्मिक स्थल अछि। पर्यटक कए आकर्षित करबा लेल हिनकर विकास कैल जा रहल अछि। योग अनिवासी भारतीय मे काफी लोकप्रिय भ चुकल अछि। एकरा ध्यान मे राखि योग क पाठ्यक्रम चाहनिहार पर्यटक लेल विभाग दू आ तीन सप्ताह क पैकेज तैयार केलक अछि। इ मुंगेर योगाश्रम स जोड़ल गेल अछि। गया क पितृपक्ष मेला क महत्व कए देखैत पिंडदान पैकेज सेहो प्रारंभ कैल गेल अछि। ट्रेस योर रूट्स नामक तेसर पैकेज तैयार भ चुकल अछि। जे अनिवासी भारतीय क बीच काफी लोकप्रिय भ रहल अछि। एकरा संग-संग बिहारक ओ स्थान जे एखन धरि पर्यटनक मानचित्र स ओझल अछि ओकर विकास लेल खास योजना तैयार कैल जा रहल अछि। जाहि मे सीता स जुड़ल सीता सर्किट पर काज लगभग पूरा भ चुकल अछि। गंगा मे जहाज पर रेस्त्रां सेहो पर्यटकक लेल आकर्षणक केंद्र बनत।

पर्यटनक विकास पर खर्च होइत 30 करोड़

पटना। प्रदेश मे पर्यटक कए आकर्षित करबा लेल सरकार पर्यटन स्थल क विकास पर 30 करोड़ टका खर्च करय जा रहल अछि। पर्यटन विभाग क अनुसार चालू वित्तीय वर्ष मे पर्यटन विकास क लेल 25.13 करोड़ क योजना उद्धयय छल, जेकरा अगिला वर्ष क लेल बढ़ा कए 29.78 करोड़ करि देल गेल अछि। नव वर्ष मे एहि राशि स बराबर पहाड़ी क विकास, केसरिया क विकास, अरेराज रामपुरवा, गोपालगंज क नकटो भवानी मंदिर, सारण क राजा मकरध्वज किला आ परिसर क विकास कैल जाइत। संग ही शिवहर क देवकुली धाम, वैशाली क बाबा गणिनाथ पलवैया धाम, सीवान क मेंहदार मे महेन्द्र नाथ मंदिर आ पोखर आ मधुबनी मे विद्यापति क जन्म स्थल कए विकसित कैल जाइत । जयप्रकाश नारायण क जन्मस्थली सिताबदियारा, बक्सर क चौसा मैदान, ककोलत, सुल्तानगंज, पर्यटन कम्पलेक्स भागलपुर क लेल सेहो काज कैल जा रहल अछि।

विभाग क अनुसार भारत सरकार क मदद स बोधगया मे फूड क्राफ्ट इंस्टीच्यूट क स्थापना, वैशाली क समेकित विकास, लौरिया क नंदन गढ़, बोधगया क प्रागबोधि पर्वत, एतहि सुजाता कुटीर, सोनपुर मेला क्षेत्र आ विक्रमशिला क विकास संबंधी योजना कए पर्यटन मंत्रालय क स्वीकृति भेट चुकल अछि। एकर क्रियान्वयन क कार्रवाई कैल जा रहल अछि। एहि दिस पर्यटन विकास निगम पर्यटन स्थल क लेल दैनिक आ साप्ताहिक टूर प्रोग्राम, निगम क विभिन्न होटल मे ऑन लाइन रिजर्वेशन सुविधा, कंप्यूटराइज्ड टिकट बुकिंग आदि क काज करबा मे लागल अछि।

नव एलायनमेंट पर बनत पटना-बख्तियारपुर सड़क

समदिया

पटना। एनएचडीपी फेज तीन क तहत पटना-बख्तियापुर क बीच फोर लेन क सड़क निर्माण क लेल आइ-काल्हि नव एलायनमेंट तय कैल जा रहल अछि। सिंगापुर क कंपनी मेनहार्ट द्वारा एहि काज कए पूरा कैल जा रहल अछि। नव एलायनमेंट क लेल जे आरंभिक खबर आयल अछि ओकर अनुसारे जीरो माइल स ले कए सत्रहम किमी धरि इ सड़क क वर्तमान मे जे एलायनमेंट अछि ओहिमे कोनो तरहक कोनो परिवर्तन नहि कैल जा रहल अछि। दीदारगंज तक फोर लेन क लेल सड़क क कात मे जगह भेट रहल अछि। ओकर बाद जगह क समस्या अछि। एहि लेल सत्रहम किमी क बाद फोर लेन क सड़क क लेल एलायनमेंट कए बदलल जा रहल अछि। दक्षिण दिशा क ओर सड़क बढ़त आ एकरा लेल जमीन अधिग्रहण करबाक प्रक्रिया शीघ्र शुरू होइत। इ सड़क कए बीओटी टाल पर देबाक संभावना अछि, किया कि भारी संख्या मे वाहन क फ्लो एहि सड़क पर अछि। सर्वे मे इ गप सामने आयल अछि जे एक दिन मे 38 स 39 हजार वाहन एहि सड़क स गुजरैत अछि। एनएचएआई क देखरेख मे पूर्व मे सेहो इ सड़क क फोरलेनिंग क लेल एलायनमेंट तैयार कराउल गेल छल जे आब पुरान भ चुकल अछि। पूरा 53 किमी लंबाई वाला इ स्ट्रेच मे 17 म किमी क बाद सड़क क किनार मे जगह नहि बचैत अछि जे एकरा चार लेन क बनाउल जाए। कई जगह पर त भारी संख्या मे पक्का निर्माण भ चुकल अछि। पक्का निर्माण कए हटाबा क झंझट मे नहि पड़ै चाहैत अछि एनएचएआई। एहि लेल नव एलायनमेंट पर काम भ रहल अछि। नव एलायनमेंट पर सिंगापुर की कंपनी कए एहि माह अपन रिपोर्ट सौंपबाक छैक।

पटना-मुजफ्फरपुर फोर लेनिंग सड़कक निर्माण मे बाधे बाधा

पटना। कखनो बीओटी टाल, त कखनो एन्यूटि आ फेर पीपीपी। एहि तरह क तमाम कोशिश क बाद जखन एनएचडीपी फेज-3 क तहत पटना-मुजफ्फरपुर सड़क क फोरलेनिंग क मामला काफी दिनक बाद रास्ता पर आयल त चुनाव क एलान एकरा पर एक बेर फेर ब्रेक लगा देलक। आब नव सरकार क गठन क बाद एहि पर कोनो निर्णय होइत। चुनाव क एलान क पूर्व अगर कैबिनेट क एकटा आओर बैठक होइते त पटना-मुजफ्फरपुर क फोरलेनिंग कए सीसीए क मंजूरी भेट जेबाक संभावना छल। आब एहि मामला कए अगला बैठक मे एबाक संभावना अछि। उल्लेखनीय अछि जे नव सरकार बनलाक बाद अगर एकरा प्राथमिकता नहि भेटल आ बरसात क करीब एहि योजना कए मंजूरी भेटल त एकर लटकबाक आशंका प्रबल अछि। किया कि जूनक बाद बिहार मे सड़क निर्माण क काज मे रोक लागि जाइत अछि। एहि लेल आब इ लगभग तय भ गेल अछि जे इ सड़क पर काज 2010 स पहिने संभव नहि भ सकत।

627 करोड़ क एहि परियोजना कए योजना आयोग क पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप एप्रेजल कमेटी क मंजूरी भेट चुकल अछि। एकरा बाद एकरा कैबिनेट क सीसीए स मंजूरी भेटबाक बाकी अछि। ओहि ठाम से मंजूरी भेटलाक बाद इ सड़क क निर्माण क प्रक्रिया शुरू होइत। इ सड़क क निर्माण कए लेल एनएचएआई निविदा सेहो आमंत्रित करि देने अछि। कई ख्यातिलब्ध निर्माण कंपनी जेना ओरिएंटल इंफ्रास्ट्रक्टचर, गैमन इंफ्रास्ट्रक्टर, केएमसी आ सीएंडसी एहि सड़क मे अपन दिलचस्पी दखौने अछि। एहि लेल एनएचआई सेहो काफी दिन स अटकल एहि प्रोजेक्ट कए ल कए उत्साहित अछि। पर मामला सुलझबाक करीब पहुंचकए अटकि जाइत अछि। एहि सड़क क एलायनमेंट क तहत इ प्रावधान अछि जे महात्मा गांधी सेतु क बाद स एकर फोरलेनिंग कैल जाइत किया कि गांधी सेतु एहि प्रोजेक्ट मे शामिल नहि अछि। एहि प्रोजेक्ट मे पैघ स्तर पर जमीन अधिग्रहण क मामला सेहो फंसत। ओना एनएचएआई संबंधित जिलाधिकारी स एहि बारे मे गप केलक अछि । एखन इ सड़क मात्र पांच मीटर क अछि,जे दो लेन क मानक क अनुरूपो नहि अछि आ योजना फोर लेन क अछि।

बदलैत बिहार
हमर नजरि स

बिहारक राजधानी पटना मे 16 मई कए राति करीब दू बजे सड़क पर आवागमनक स्थिति

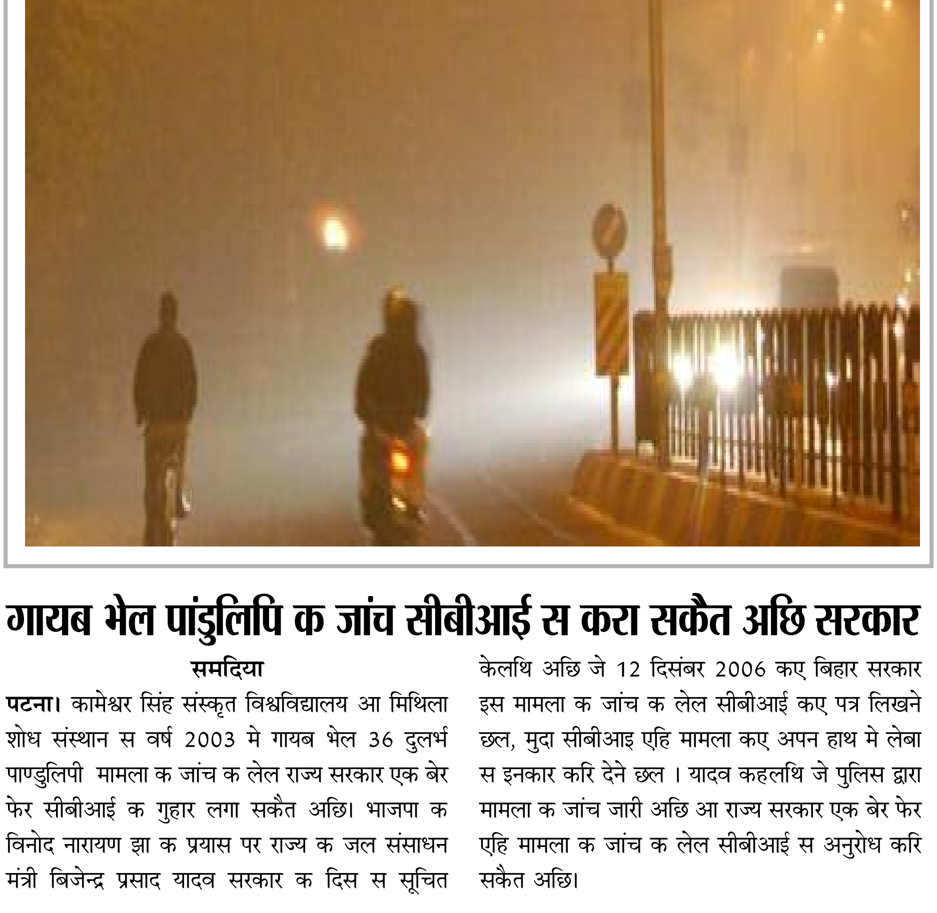

गायब भेल पांडुलिपि क जांच सीबीआई स करा सकैत अछि सरकार

समदिया

पटना। कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय आ मिथिला शोध संस्थान स वर्ष 2003 मे गायब भेल 36 दुलर्भ पाण्डुलिपी मामला क जांच क लेल राज्य सरकार एक बेर फेर सीबीआई क गुहार लगा सकैत अछि। भाजपा क विनोद नारायण झा क प्रयास पर राज्य क जल संसाधन मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव सरकार क दिस स सूचित केलथि अछि जे 12 दिसंबर 2006 कए बिहार सरकार इस मामला क जांच क लेल सीबीआई कए पत्र लिखने छल, मुदा सीबीआइ एहि मामला कए अपन हाथ मे लेबा स इनकार करि देने छल । यादव कहलथि जे पुलिस द्वारा मामला क जांच जारी अछि आ राज्य सरकार एक बेर फेर एहि मामला क जांच क लेल सीबीआई स अनुरोध करि सकैत अछि।

173 प्रस्ताव अनुमोदित स्थापित भेल 16 इकाई

पटना । उद्योग मंत्री दिनेश चन्द्र यादव कहला अछि जे 2005-06 स एहन धरि उद्योग स्थापना क 173 प्रस्ताव अनुमोदित भ चुकल अछि, जाहि मे स 16 इकाई कार्यरत अछि। अनुमोदित औद्योगिक इकाई मे 1 लाख 10 हजार करोड़ क पूंजी निवेश प्रस्तावित अछि। ओ कहलथि जे प्रवासी भारतीय सम्मेलन में प्रत्येक वर्ष राज्य क प्रतिनिधिमंडल जाइत अछि। ओ कहलथि जे गया क तिलकुट व्यवसाय कए क्लस्टर मे प्रोत्साहित कैल जाइत । एहि मे खाद्य प्रसंस्करण उद्योग कए शामिल कैल जाइत ।

श्री यादव कहलथि जे राज्य मे 1243 अतिरिक्त स्वास्थ्य केन्द्र अछि, जाहि मे 636 कार्यरत अछि। ओ कहलथि जे सबटा अतिरिक्त स्वास्थ्य केन्द्र कए चालू कैल जा रहल अछि आ ओहि मे 24 घंटा इलाज क व्यवस्था कैल जा रहल अछि। जखन सरकार पूर्व क अतिरिक्त स्वास्थ्य केन्द्र कए चालू नहि करि रहल अछि त 1500 नव अतिरिक्त स्वास्थ्य केन्द्र केना स्थापित होइत। एहि पर मंत्री निरुत्तर भ गेला। एहि स पूर्व मंत्री कहला जे कार्यरत अतिरिक्त स्वास्य केन्द्र मे 494 सप्ताह मे तीन दिन क लले आ 142 सप्ताह मे 6 दिन क लेल कार्यरत अछि। ओ कहलथि जे पीपीपी क आधार पर 44 अतिरिक्त स्वास्थ्य केन्द्र कए चलेबाक प्रयास भ रहल अछि। एहि केन्द्र पर निजी चिकित्सक उपलब्ध रहताह। एहि अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मे आयुष चिकित्सक क संविदा पर बहाली होइत। ओ कहलथि जे 100 अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मे छह बेड क सुविधा उपलब्ध कराउल जाइत।

दोसर दिस लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री अर्श्विनी कुमार चौबे कहला जे गंगा नदी क कछैर स्थित जिल मे नदी क कछैर स 10 किलोमीटर अन्दर क पेयजल स्रोतों क आर्सेनिक जांच करादल जा रहल अछि। ओ कहलथि जे प्रारम्भिक जांच मे भोजपुर जिला क 97 टोला आ बक्सर जिला क 297 टोल क पेयजल स्रोतों मे आर्सेनिक क मात्रा निर्धारित अनुमान्य स अधिक पाउल गेल। ओ कहलथि जे बक्सर जिला क बक्सर आ सिमरी प्रखण्ड क 130 आर्सेनिक प्रभावित टोल मे शुद्ध पेयजल क आपूर्ति क लेल 112.57 करोड़ क योजना क कार्यान्वयन प्रक्रियाधीन अछि। एकरा बाद गंगा जल कए शोधन कए आपूर्ति कैल जाइत । एकर अलावा मनेर, सहदेई बुजुर्ग , हाजीपुर आ विदुपुर मे आर्सेनिक दूर करबाक योजना क कार्यान्वयन कैल जा रहल अछि। ओ कहलथि जे पेयजल आपूर्ति क स्वीकृत 153 योजना मे स 54 क लेल तीन बेर निविदा आमंत्रित भ चुकल अछि मुदा कोई नहि आयल अछि। एकरा लेल फेर स निविदा आमंत्रित कैल जा रहल अछि। एहि काज कए अगिला वित्तीय वर्ष मे पूरा कैल जाइत। ओ कहलथि जे बांका जिला क महेशपुर पहाड़ पर स्थित मंदिर तक पानी पहुंचेबाक लेल जल स्रोत क जांच कैल जा रहल अछि। एकटा अन्य प्रश्नक उत्तर मे ओ कहलथि जे बन्द उद्योग गया काटन मिल व जहानाबाद क चमड़ा कारखाना कए चालू नहि कैल जा सकैत अछि।

बीमारू नहि रहल बिहारक शेष

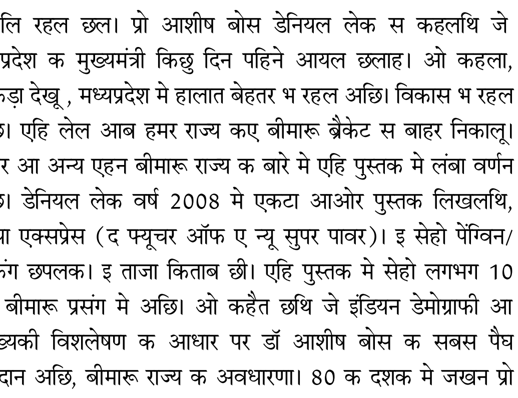

बिहार विकसित होइत। की अबैयवाला 10 साल में बिहार कए विकसित राज्यक श्रेणी मे ठार देखब आत्मगौरव क विषय नहि अछि ? 1991 मे भारत क अर्थनीति बदलि गेल। एहि बदलल परिस्थिति मे जे राज्य अपना कए विकसित केलक ,ओ आगू निकलि गेल। आइ कर्नाटक 70,000 करोड़ क आइटी क कारोबार करैत अछि आ हिंदी राज्य? लगभग शून्य। इंडिया टूडे प्रतिवर्ष इंडिकस नाम क संस्था स राज्य क माली हालत, विकासक स्थिति आ आर्थिक क स्थिति पर सर्वे करबैत अछि। इंडिकस क '90-'91 क सर्वे क मन पारू, त देश क सबस पिछड़ल राज्य मे हिंदी राज्य क संग-संग आंध्र सेहो छल। ओ येहो अत्यंत पिछड़ल छल। आब काफी आगू अछि। शासन चाहे चंद्रबाबू नायडू क हुए या कांग्रेस क राजशेखर रेड्डी क। आंध्र, राज्य क विकास सीढ़ी मे नीचा स छलांग लगा कए ऊपर क ब्रैकेट मे पहुंच गेल। जानल-मानल ब्रिटिश पत्रकार डेनियल लेक भारत पर किताब लिखलथि अछि मंत्राज ऑफ चेंज (परपोर्टिंग इंडिया इन ए टाइम ऑफ फ्लक्स)। वर्ष 2005 मे पेंग्विन/विकिंग एकरा छपलक अछि। एहि पुस्तक मे बीमारू राज्य पर एक अध्याय अछि, ब्रेकफास्ट विथ बोस। प्रो आशीष बोस भारत सरकार क डेमोग्राफर इन चीफ रहल छथि। बीमारू अवधारणा क सेहो जनक आओर भाष्यकार। डॉ बोस डेनियल लेक स बीमारू अवधारणा पर लंबा गप केलथि अछि। 80 क दशक क मध्य मे इ अवधारणा ओ विकसित केलथि। डेनियल लेक लिखैत छथि जे भारत स बीमारू राज्य कए अलग करि दी (शब्द अछि, इंडिया माइनस बीमारू, भारत - बीमारू = मध्य वर्ग क देश), त भारत विकास और अर्थव्यवस्था मे मध्य वर्ग क देश बनि जाइत। बीमारू राज्य क संग भारत गरीब अछि। दुनिया क संदर्भ मे भारत कए देखू, त सबस नीचा पायदानवाला देश मे एकर बीमारू राज्य क कारण भारत शुमार होइत अछि। अन्य सब राज्य क धकेल कए पाछु खींच लैत अछि। डेनियल लेक कहैत छथि जे इ राज्य विकास क सबटा सूचकांक पर भारत क अन्य राज्य स पिछड़ल आ पाछु छथि। जनसंख्या वृद्धि एहि ठाम अनियोजित अछि। भारत क आधा अशिक्षित एहि ठाम रहैत छथि। मौगिक मामला मे सबसे खराब अछि। एहि ठाम सबस खराब स्थिति मौगिक अछि। बिहार आ उत्तरप्रदेश, जाहि ठाम भारत क 1/5म जनसंख्या रहैत अछि। ओहि ठाम भयानक हिंसा अछि। लोक अपने मे विभाजित अछि। घोर जातिप्रथा अछि। कुशासन अछि। आशीष बोस डेनियल लेक स कहलथि जे दक्षिण भारत मे विकास क मुद्दा पर जाति व्यवस्था अप्रभावी भ चुकल अछि। मुदा बीमारू, खास तौर स उत्तरप्रदेश आ बिहार मे इ स्थिति बदतर भ चुकल अछि। जातिवादी नेता अत्यंत सीमित जनाधार बनबैत छथि। मौगिक उपेक्षा करैत छथि। एहि लेल हिनकर इ स्थिति अछि। 1991 मे राजस्थान आ मध्यप्रदेश बीमारू ब्रैकेट स बाहर निकलि रहल छल। प्रो आशीष बोस डेनियल लेक स कहलथि जे मध्यप्रदेश क मुख्यमंत्री किछु दिन पहिने आयल छलाह। ओ कहला, आंकड़ा देखू , मध्यप्रदेश मे हालात बेहतर भ रहल अछि। विकास भ रहल अछि। एहि लेल आब हमर राज्य कए बीमारू ब्रैकेट स बाहर निकालू। बिहार आ अन्य एहन बीमारू राज्य क बारे मे एहि पुस्तक मे लंबा वर्णन अछि। डेनियल लेक वर्ष 2008 मे एकटा आओर पुस्तक लिखलथि, इंडिया एक्सप्रेस (द फ्यूचर ऑफ ए न्यू सुपर पावर)। इ सेहो पेंग्विन/विकिंग छपलक। इ ताजा किताब छी। एहि पुस्तक मे सेहो लगभग 10 पन्ना बीमारू प्रसंग मे अछि। ओ कहैत छथि जे इंडियन डेमोग्राफी आ सांख्यिकी विशलेषण क आधार पर डॉ आशीष बोस क सबस पैघ अवदान अछि, बीमारू राज्य क अवधारणा। 80 क दशक मे जखन प्रो बोस सेंसस क पुरान आंकड़ा क विशलेषण करि रहल छलाह, त ओ पउलथि जे बीमारू राज्य विकास क सबटा मापदंड पर सबसे पाछु अछि। मसलन शिक्षा, मातृ मृत्यु दर, जन्म दर, बाल मृत्यु दर, प्रति वर्गमील डॉक्टरों क उपस्थिति आदि। मुदा सबस खतरनाक संकेत छल जे भारत क अन्य राज्य क लेल इ सूचकांक लगातार बेहतर भ रहल छल। विकास भ रहल छल। मुदा बीमारू राज्य क लेल या त इ आंकड़ा मे (प्रगति) ठहराव आबि गेल छल या वो आओर बदतर भ रहल छल। प्रो बोस बीमारू राज्य कए सब-सहारा अफ्रीका बास्केट केस मानैत छलाह। मौगी आ बच्चा क बदतर स्थिति एहि राज्य मे छल। इ अवधारणा क बाद बीमारू राज्य क राजनीतिज्ञ प्रो बोस क कटु आलोचना केलथि। निंदा केलथि, मुदा हुनकर अवधारणा सही छल। डेनियल लेक एहि किताब कए लिखबाक संदर्भ मे बिहार सेहो एलाह। ओ बिहार क गाम सेहो गेलाह। जहानाबाद । हुनकर यात्रा जहानाबाद मे जेल तोड़बाक किछु दिन पहिने भेल छल। ओ बोध गया तक गेलाह। नालंदा आ राजगीर सेहो देखलाह। बिहार क संदर्भ मे हुनकर टिप्पणी-निष्कर्ष अत्यंत गंभीर, सटीक, मुदा बिहारी क झूठ अहं कउए ठेस पहुंचेबा वाला सेहो छल। एक ठाम ओ कहैत छथि, बिहार क मुख्य विश्वविद्यालय पटना एकटा राजनीतिक मजाक अछि। हथियारबंदोत्रसंघों क जगह अछि। भयभीत अध्यापक जे भय स डिग्री दैत छथि। हुनकर दृष्टि मे बिहार आधुनिक भारत क लाज छी। ओ इ तक कहैत छथि जे कहियो प्राचीन बिहार भारत क बौद्धिक आ आर्थिक पावरहाउस रहल होइत। ओ लिखैत छथि जे गंगा क कछैर मे नीक जेकां सिंचित होइवाली उर्वर धरती मे आइ सेहो भारत क एक तिहाई लोग रहैत अछि, मुदा आइ एकर पवित्र जल क बावजूद एहि ठाम दुख, भ्रष्टाचार स ग्रस्त सम्मान आ मर्यादा स वंचित जीवन अछि। ओ प्राइमरी स्कूल क बारे मे टिप्पणी करैत छथि । मानैत छथि जे बिहार कए बेहतर करबा लेल बहुत किछु करबाक अछि आ तत्काल करबाक अछि। की हम बिहारी सिर्फ राजनीतिज्ञ क भरोसे बिहार कए छोड़ि देबा ? की बिहार गढ़बा मे जनता क हिस्सेदारी नहि होइत? हम कखन बिहार कए एकटा नव ऊंचाई पर ल जेबाक भूख आ भावना स प्रेरित होयब? केतबा अपमान क बाद? ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी स पढ़ल आ फाइनेंसियल टाइम्स कजानल-मानल पत्रकार एडवर्ड लूस सेहो भारत क संदर्भ मे चर्चित पुस्तक लिखलथि अछि। इंस्पाइट ऑफ द गॉड (द स्टेंज राइज ऑफ मॉडर्न इंडिया)। वर्ष 2006 मे इ पुस्तक पी ग्रेट ब्रिटेन क प्रकाशक लिटिल ब्राउन छपलक। एहि पुस्तक मे सेहो बिहार क चर्चा अछि। ओ कहैत छथि जे बिहार उत्तर भारत क सबसे गरीब राज्य अछि। ओ बिहार क घूसखोरी आ कुव्यवस्था क उल्लेख करैत छथि। स्कूल मे बिजली नहि, अध्यापक नहि आ बाथरूम नहि होबाक चर्चा करैत छथि। लूस सेहो बिहार क यात्रा केलथि। ओ हैदराबाद स सीधा पटना पहुंचलाह। ओ दूनू राज्य क बहुत जीवंत तुलनात्मक चित्रण करैत छथि। बोपरंग रोड क उल्लेख करैत छथि जे केना एकटा ब्रिटिश अफसर क नाम पर एकर नाम पड़ल। फिर बिहार क कुव्यवस्था क उल्लेख करैत छथि। ओ लालू आ राबड़ी स सेहो भेंट करैत छथि। भारत क विकास क संदर्भ मे थॉमस एल फ्रिडमैन अपन विश्व चर्चित किताब लिखलथि, द वर्ल्ड इज फ्लैट (ए ब्रीफ हिस्ट-ी ऑफ द ट्वेंटीफर्स्ट सेंचुरी)। वर्ष 2005 मे न्यूयार्क क फरार, स्टॉस एंड गिरॉक्स एहि पुस्तक कए छपलक। मूलतः दक्षिण क राज्य मे आइल प्रगति आ बदलाव क संदर्भ मे इ पुस्तक अछि, मुदा बीमारू राज्य क एहि मे जिक्र नहि अछि। बिहार बदलबा लेल जरूरी अछि जे बिहारी बदलय। कोनो सरकार या राजनीति एक सीमा तक विकास क माहौल उपलब्ध करा सकैत अछि, मुदा बदलय त अपने पड़त. की आइ बिहार एकरा लेल तैयार अछि?

अंक-25, साल-2, रजिस्ट्रेशन- आवेदित, स्नेह-छवि मिथिला स्कूल ऑफ आर्ट क लेल संपादक डाट वर्डप्रेस डाट काम स इंटरनेट संस्करण प्रकाशित. प्रधान समदिया : छवि झा, प्रबंध समदिया : पुतुल सिंह
नेट समदिया : कुमुद सिंह*, समाचार समदिया : प्रीतिलता मल्लिक e_mail: esamaad@gmail.com (*खबरक चयनक लेल जिम्मेदार)